

मवाजिव पुं. (अर.) नियमित समय पर मिलने वाला पदार्थ जैसे- वेतन।

मवाजी वि. (अर.) 1. कुल, सब 2. प्रायः बराबर, लगभग।

मवाद पुं. (अर.) फोड़े की पीब, मल, गंदगी।

मवास पुं. (तत्.) 1. रक्षा का स्थान, आश्रय, त्राण स्थल, शरण स्थल 2. दुर्ग, गढ़, किला 3. कुछ समय के लिए किसी स्थान पर बसेरा, निवास 4. दुर्ग के प्राचीर पर लगे वृक्ष आदि।

मवासी स्त्री. (तत्.) 1. छोटा गढ़, किला 2. मवास संबंधी, गढ़ का, गढ़पति, किलेदार, सरदार, मुखिया, अधिनायक।

मवेशी पुं. (अर.) पशु, ढोर, चौपाया।

मवेशीखाना पुं. (अर.) पशुशाला, पालतू पशुओं के रखने का स्थान, बाड़ा, घेरा।

मशक पुं. (तत्.) 1. मच्छर 2. मसा नामक चर्मरोग, मस्सा स्त्री. (फा.) भित्तियों का पानी भरने का चमड़े का बड़ा थैला।

मशकवीन पुं. (फा.) एक मधुर संगीत ध्वनि वाला वाद्य यंत्र जिसे मुंह की हवा भर कर फुलाया और बजाया जाता है।

मशक्कत स्त्री. (अर.) 1. कड़ी मेहनत, श्रम, परिश्रम, दौड़धूप 2. कष्ट, दुख।

मशगूल वि. (अर.) 1. व्यस्त 2. किसी काम में संलग्न या तल्लीन।

मशरू पुं. (अर.) एक प्रकार का धारीदार रेशमी कपड़ा।

मशरूम पुं. (अर.) खुंभी, पत्र पुष्प रहित एक क्षद्र उद्भिद की जाति जिसके अंतर्गत भूफोड़, ढिंगरी और कुकुरमुत्ता आदि आते हैं, प्रोटीन से भरपूर खुंभी का उपयोग सब्जी के रूप में किया जाता है।

मशलकाकयुग पुं. (जर्मन) मध्य एवं पश्चिमी यूरोप के भूगर्भशास्त्र में अवसादी पाषण संस्तरों (भूपटलीय चूर्ण प्रस्तर) के संघटन की कालावधि

जो पर्मियन और ज्यूरासिक युगों के बीच की अवधि है, इसका समय 245 से 208 मिलियन वर्ष पूर्व का है, मशलकाक शब्द का प्रयोग सर्वप्रथम 1772-73 में जर्मन भूविज्ञानी जार्ज क्रिश्चियन फिशेल द्वारा किया गया।

मशविरा पुं. (अर.) परामर्श, सलाह, मंत्रणा।

मशहूर वि. (अर.) प्रसिद्ध, विख्यात।

मशाल स्त्री. (अर.) प्रकाश पाने के लिए काम में आने वाली एक लंबी लकड़ी जिसके सिरे पर कपड़ा लपेटकर और उसे तेल से भिगोकर जलाते हैं।

मशालची पुं. (अर.) अंधेरे में मशाल लेकर आगे चलने वाला, मशाल दिखाने वाला।

मशीन स्त्री. (अर.) यंत्र, कल।

मशीनगन स्त्री. (अं.) वह मशीन या यंत्र जो बंदूक की तरह बहुत जल्दी-जल्दी गोलियाँ चलाता है, यंत्रचालित बंदूक।

मशीनरी स्त्री. (अर.) 1. यंत्र सामग्री, कल पुर्जे 2. यंत्र-समूह 3. यंत्र की रचना या बनावट 4. संगठन, तंत्र, प्रबंध तंत्र 5. यंत्रावली।

मश्कूक वि. (अर.) जिस पर शक हो, संदिग्ध, संदेहास्पद व्यक्ति।

मस पुं. (तत्.) मूछों का आरंभिक रोमावली वाला रूप।

मसक स्त्री. (देश.) 1. दरार, फटन 2. मसकने की क्रिया, भाव 3. मसकने से बना निशान या दरार 4. मच्छर, मशक।

मसकला पुं. (अर.) 1. तलवार आदि हथियारों को रगड़कर चमकाने वाला उपकरण, शाण 2. हथियारों को चमकाने की क्रिया, भाव।

मसकली स्त्री. (अर.) मसकला का स्त्रीलिंग।

मसका पुं. (फा.) 1. ताजा निकला मक्खन, नवनीत 2. ताजा निकला घी 3. दही का पानी 4. चापलूसी करना।